Hindustan/22.2.17/P.5

'मातृभाषा में ही मूल अभिव्यक्ति सबसे बेहतर'

मातृभाषा दिवस

नई दिल्ली | वरिष्ठ संवाददाता

मातृभाषा में ही मनुष्यता की मूल अभिव्यक्ति सबसे बेहतर तरीके से होती है। यह संप्रेषण दूसरी बोलियों से मिलकर और मजबूत हो जाता है। इसलिए हमें मातृभाषा को समृद्ध बनाने के लिए दूसरी बोलियों को भी साथ लेना होगा। हिंदी के प्रख्यात कवि लीलाधर जगूड़ी ने गुरुवार को साहित्य अकादमी की तरफ से आयोजित कार्यक्रम के दौरान यह बातें कहीं।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर गुरुवार को साहित्य अकादमी में बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन हिंदी के प्रख्यात कवि लीलाधर जगूड़ी ने किया। उन्होंने मातृभाषाओं पर बढ़ते संकट पर चिंता जताते हुए सभी मातृभाषाओं को सहेजने की वकालत की। कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि पत्रकार राहुल देव ने मातृभाषाओं पर अंग्रेजी के वर्चस्व को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि हम आजादी के 70 साल बाद भी अंग्रेजी के सम्मोहन में डूबे हैं। हमने अभी तक भाषाई आजादी नहीं पाई है।

इस वजह से हमारी बौद्धिक और सांस्कृतिक परंपराओं का लगातार क्षरण होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी के वर्चस्व के कारण स्थानीय भाषाओं की मौलिकता भी खत्म हो रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए साहित्य अकादमी के उपाध्यक्ष माधव कौशिक ने कहा कि हमारी मौलिकता मातृभाषा में ही सुरक्षित है। अकादमी के सचिव के श्रीनिवासराव ने कहा किसी भी भाषा का लुप्त होना उसकी संस्कृति का लुप्त होना है। रचना पाठ के लिए चार सत्रों का आयोजन किया गया। इसमें 27 भारतीय भाषाओं और बोलियों के कवियों ने रचनाएं प्रस्तुत की।

भोजपुरी को संवैधानिक मान्यता मिलनी चाहिए : हरिवंश

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के मौके पर इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में गुरुवार को विश्व भोजपुरी सम्मेलन व भोजपुरी समाज दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में भोजपुरी हमार मां, मनन, मंथन और मंतव्य विषय पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि भोजपुरी को संवैधानिक मान्यता मिलनी चाहिए। आईजीएनसीए के अध्यक्ष राम बहादुर राय ने कहा कि भोजपुरी की मान्यता से हिंदी को बल मिलेगा। भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि गृहमंत्री भोजपुरी को आठवीं अनुसूची में शामिल करने के पक्ष में हैं।

जामिया में काव्य गोष्ठी

मातृभाषा दिवस के अवसर पर जामिया में हिन्दी समिति, हिन्दी विभाग द्वारा काव्य गोष्ठी और परिचर्चा का आयोजन किया गया गया। छात्रों ने कविता पाठ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दी विभाग की अध्यक्ष प्रो. इंदु वीरेन्द्र ने की। उन्होंने छात्रों को संबोधित भी किया।